

अनंत बैठक

BladeFrega की पहली आज्ञा

चर्चा को नियति मत समझो।

अनंत बैठक एक उल्लेखनीय संस्था है। वह एक प्रश्न से शुरू होती है, एक शब्दावली पैदा करती है, और एक और बैठक तय करने के निर्णय पर समाप्त होती है। उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि वह देरी को सामूहिक प्रयास जैसा दिखा देती है।

मैं योजनाओं, रूपांतरणों, पुनराविष्कारों और नई शुरुआतों पर हुई रणनीतिक बैठकों में बैठा हूँ — जिन्हें वे लोग तैयार कर रहे थे जो अब भी यह समझा रहे थे कि पिछली शुरुआत क्यों विफल हुई। संगठन इसे निरंतरता कहता है। समय इसे मौसम कहता है। सब कुछ बदलता है: अधिकारी, प्राथमिकताएँ, प्रणालियाँ, नारे और कॉफ़ी मशीनें। बची रहती हैं केवल कार्यवृत्तियाँ, जो वीरतापूर्ण वह दर्ज करती हैं जो किसी ने तय नहीं किया। सृजन कम सुरुचिपूर्ण है और अधिक उपयोगी। आज लिखा गया पृष्ठ अपूर्ण हो सकता है, पर वह मौजूद है। दस साल तक चर्चा में रहा पूर्ण पृष्ठ एक अफ़वाह ही रहता है। अनंतता बातचीत की लंबाई नहीं है। वह बातचीत के ख़त्म हो जाने के बाद उसके परिणाम का जीवन है।

निष्कर्ष

अनंतता तब शुरू नहीं होती जब समय अनंत हो जाता है। वह तब शुरू होती है जब कोई निर्णय, कोई पृष्ठ या कोई कृति समाप्त होने से इनकार कर देती है।

Ferdinando

Ferdinando Frega — gillettenarrative.com